भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1293

शुक्रवार, 28 जून, 2019 को उत्तर देने के लिए

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाएं

1293 श्री एच. वसंतकुमारः

क्या विज्ञाान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने इस बात पर ध्यान दिया है कि विभिन्न परिस्थितियों के कारण योग्य महिलाएं विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्रियाकलाप छोड़ देती हैं; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐसे मुद्दों के समाधान हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, विज्ञान और

प्रौद्योगिकी मंत्री, पृथ्वी विज्ञान मंत्री

(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) जी, हाँ ।

(ख) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की 'महिला वैज्ञानिक स्कीम' करिअर के अवसर उपलब्ध कराती है, जिनमें विज्ञान और अभियांत्रिकी के अग्रणी क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए बेरोजगार महिला वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों, विशेष रूप से उन्हें जिनके करिअर में व्यवधान उत्पन्न हुआ, के लिए अध्येतावृति शामिल है। महिला वैज्ञानिक स्कीम के तीन मुख्य घटक हैं नामतः, i) मौलिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान में अनुसंधान करने के लिए महिला वैज्ञानिक स्कीम-ए (डब्ल्यूओएस-ए), ii) सामाजिक लाभ की दृष्टि से एस एंड टी की पहल वाली महिला वैज्ञानिक स्कीम-बी (डब्ल्यूओएस-बी), और iii) महिला वैज्ञानिक स्कीम-सी (डब्ल्यूओएस-सी), उन्हें बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आईपीआर) या व्यावसायिक बनने में समर्थ बनाते हैं । डब्ल्यूओएस-ए और डब्ल्यूओएस-बी, में आयु सीमा 27-57 वर्ष है और एम.एससी, एम.फिल/एम.टेक और पीएच.डी. श्रेणियों के लिए अध्येतावृति की राशि क्रमशः रू. 30,000/-, रू. 40,000/- और रू. 55,000/- प्रतिमाह है । इन तीनों श्रेणियों में 3 वर्ष की अवधि के लिए कुल परियोजना लागत क्रमशः रू. 20 लाख, रू. 25 लाख और रू. 30 लाख है । तथापि डब्ल्यूओएस-सी में 27-45 वर्ष के आयुसमूह की महिला वैज्ञानिक आवेदन करने की पात्र हैं । एमएस.सी./एम.टैक और पीएच.डी. श्रेणियों के लिए डब्ल्यूओएस-सी में अध्येतावृत्ति क्रमशः 20,000 रू., 25,000 रू तथा 30,000 रू. प्रतिमाह है । इसके अलावा, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए महिला वैज्ञानिकों को अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 'जैवप्रौद्योगिकी करिअर उन्नयन एवं पुनरभिविन्यास कार्यक्रम' को भी क्रियान्वित कर रहा है । बायोकेयर कार्यक्रम करिअर में व्यवधान वाली महिला वैज्ञानिकों के बारे में भी विचार करता है ।

*****